Mains Matrix

Table of Content

1.विश्व व्यापार रिपोर्ट 2025
2.निर्वाचन सूची धोखाधड़ी और संस्थागत निष्क्रियता
3.भारत से मिले सबक के साथ जलवायु-स्वास्थ्य दृष्टि
4."बदलती रेत"
5.सऊदी-पाकिस्तान समझौता: एक संदिग्ध बीमा नीति

1.विश्व व्यापार रिपोर्ट 2025

विश्व व्यापार रिपोर्ट (एआई और व्यापार) के मुख्य बिंदु

1. व्यापार गुणक के रूप में एआई

- एआई को अपनाने से 2040 तक वस्तुओं और सेवाओं के वैश्विक व्यापार में लगभग **40% वृद्धि** हो सकती है।
- मुख्य कारण:
  - व्यापार लागत में कमी
  - उत्पादकता में वृद्धि

---

2. वैश्विक जीडीपी में बढ़ोतरी

- यदि **डिजिटल खाई कम** हो और एआई का प्रसार हो:
  - वैश्विक जीडीपी में **12–13% तक वृद्धि** संभव।

---

3. एआई-सक्षम वस्तुओं का व्यापार

- एआई-सक्षम वस्तुओं (चिप्स, सेमीकंडक्टर, सर्वर) का मौजूदा व्यापार: **2.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (2023)**।
- खुले व्यापार व्यवस्थाओं से और विस्तार की उम्मीद।

---

4. डिजिटल विभाजन की चुनौती

- निम्न और मध्यम आय वाले देश एआई-आधारित लाभों से वंचित हो सकते हैं, कारण:
  - कमजोर इंटरनेट कनेक्टिविटी
  - कमज़ोर कंप्यूट अवसंरचना

---

5. श्रम बाज़ार पर प्रभाव

- एआई कुछ नियमित संज्ञानात्मक नौकरियों (अनुवाद, लिप्यंतरण) को प्रतिस्थापित कर सकता है।
- लेकिन मांग बढ़ेगी:
  - डाटा एनोटेशन
  - एआई इंजीनियरिंग
  - निगरानी और नियमन संबंधी भूमिकाओं के लिए

MENTORA IAS "YOUR SUCCESS, OUR COMMITMENT"

6. नियामक विखंडन

- एआई से जुड़ी वस्तुओं पर मात्रात्मक प्रतिबंध बढ़े:
  - **130 (2012) → 500 (2024)**
- डब्ल्यूटीओ ने चेतावनी दी कि इससे **नवाचार रुक सकता है और लागत बढ़ सकती है**।

7. एआई-व्यापार सामंजस्य

- एआई व्यापार दक्षता को बढ़ाता है:
  - लॉजिस्टिक्स लागत कम करना
  - पूर्वानुमानित आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन सक्षम करना
  - सीमा शुल्क निकासी का स्वचालन
- विशेष रूप से **लघु एवं मध्यम उद्यमों (SMEs)** के लिए लाभकारी।

8. समावेशन की अनिवार्यता

- असमानताओं को बढ़ने से रोकने के लिए रिपोर्ट में ज़ोर दिया गया:
  - कार्यबल का पुनःकौशल (Reskilling) और उन्नयन (Upskilling)
  - सामाजिक सुरक्षा उपाय
  - खुला डाटा एक्सेस

9. डब्ल्यूटीओ की भूमिका

- **सूचना प्रौद्योगिकी समझौता (ITA)** में व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करना।
- **GATS प्रतिबद्धताओं** को अपडेट करना ताकि एआई-संचालित डिजिटल सेवाओं को शामिल किया जा सके।

2. निर्वाचन सूची धोखाधड़ी और संस्थागत निष्क्रियता

क्या हुआ?

- **धोखाधड़ी:** कर्नाटक के अलंद में, 2023 के चुनाव से पहले लगभग **6,000 वैध मतदाताओं को अवैध रूप से हटाने** के लिए फर्जी फॉर्म-7 आवेदन दाखिल किए गए।
- **रोकथाम:** चुनाव आयोग (ECI) ने समय रहते इस अवैध हटाने को पकड़ लिया और रोक दिया, जिससे चुनाव परिणाम प्रभावित नहीं हुआ।
- **जांच रुकी:** दोषियों को पकड़ने के लिए पुलिस (CID) जांच अटक गई है क्योंकि चुनाव आयोग आवश्यक तकनीकी डेटा (IP पते और डिवाइस विवरण) साझा करने से इंकार कर रहा है, जो धोखेबाजों के डिजिटल निशान को खोजने के लिए ज़रूरी है।

यह मामला एक प्रमुख उदाहरण है:

- **निर्वाचन कदाचार (Electoral Malpractice):** कैसे आधुनिक तकनीक का उपयोग लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हेरफेर करने के लिए किया जा सकता है।
- **संस्थागत जवाबदेही (Institutional Accountability):** जब स्वतंत्र संस्थाएँ, जैसे ECI, न्याय में बाधा डालने के आरोप

MENTORA IAS
"YOUR SUCCESS, OUR COMMITMENT"

झेलती हैं, तो उनकी भूमिका और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

- **पारदर्शिता बनाम अपारदर्शिता (Transparency vs. Opacity):** पारदर्शी जांच की आवश्यकता और किसी संस्था का परिचालन डेटा साझा करने से इनकार करने के बीच टकराव।

- **निचोड़ (The Bottom Line):**
    - मुख्य विवाद अब स्वयं धोखाधड़ी पर नहीं है (क्योंकि उसे रोका गया)।
    - असली मुद्दा यह है कि ECI ने जांच एजेंसियों से सहयोग करने से इंकार कर दिया है।
    - इससे अपराधियों की पहचान नहीं हो पा रही और निर्वाचन प्रणाली में जनता का विश्वास कमजोर हो रहा है।

3.भारत से मिले सबक के साथ जलवायु-स्वास्थ्य दृष्टि

प्रसंग (Context)

- **घटना:** 2025 वैश्विक जलवायु एवं स्वास्थ्य सम्मेलन (बेलेम स्वास्थ्य कार्य योजना)।
- **मुद्दा:** भारत, एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी होने के बावजूद, आधिकारिक रूप से प्रतिनिधित्व नहीं कर सका।
- **प्रासंगिकता:** भारत के विकास कार्यक्रम जलवायु और स्वास्थ्य लक्ष्यों को एकीकृत करने में सबक प्रदान करते हैं।

भारत के कल्याणकारी कार्यक्रमों से अंतर्दृष्टियाँ

प्रधानमंत्री पोषण योजना (PM POSHAN – मिड-डे मील स्कीम):

- 11 लाख स्कूलों में 11 करोड़ बच्चों को कवर करती है।
- स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और खाद्य खरीद को जोड़ती है।
- कुपोषण का समाधान करती है और जलवायु-लचीला खाद्य तंत्र बनाती है।

स्वच्छ भारत अभियान:

- स्वच्छता, सार्वजनिक स्वास्थ्य, गरिमा और पर्यावरणीय स्थिरता पर कार्य।

मनरेगा (पर्यावरण कार्य):

- बिगड़े हुए पारिस्थितिक तंत्रों की बहाली।
- ग्रामीण आजीविका में सुधार।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY):

- स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराया।
- घरेलू वायु प्रदूषण और श्वसन रोगों में कमी।

मुख्य सबक (Key Lessons)

1. सशक्त राजनीतिक नेतृत्व:

- PMUY और स्वच्छ भारत को प्रधानमंत्री के समर्थन से गति मिली।
- जब शीर्ष नेतृत्व प्राथमिकता देता है, तो यह विभागों के बीच सार्वजनिक हित का कार्य बन जाता है।

2. सामुदायिक भागीदारी:

MENTORA IAS
"YOUR SUCCESS, OUR COMMITMENT"

- स्वच्छ भारत → सांस्कृतिक प्रतीकवाद (गांधी जी का दृष्टिकोण)।
- पीएम पोषण → अभिभावकों/शिक्षकों के माध्यम से जमीनी समर्थन।
- जलवायु कार्रवाई को ऐसे उच्च-स्तरीय ढांचे की ज़रूरत है जो **पर्यावरण को स्वास्थ्य परिणामों से जोड़े**।

3. प्रक्रियात्मक एकीकरण:

- पर्यावरणीय निर्णयों में **स्वास्थ्य प्रभाव आकलन** को शामिल करना।
- बड़े प्रोजेक्ट्स में स्वास्थ्य विचारों को अनिवार्य बनाना।

4. सहभागितापूर्ण कार्यान्वयन:

- समुदायों को संगठित करना (जैसे आशा कार्यकर्ता, पंचायतें)।
- स्वास्थ्य के नज़रिए से जलवायु मुद्दे लोगों को अधिक सम्बद्ध लगते हैं (सुरक्षित जल, पोषण, स्वच्छ वायु)।

चुनौतियाँ

- नीतियों में संस्थागत एकीकरण की कमी।
- जलवायु-स्वास्थ्य संबंधों के केवल प्रतीकात्मक बन जाने का खतरा।
- गति बनाए रखने के लिए स्पष्ट जवाबदेही तंत्र की आवश्यकता।

आगे का रास्ता (Way Forward)

- समुदायों का पुनःकौशल और सशक्तिकरण: जलवायु लाभों को स्वास्थ्य की दृष्टि से प्रस्तुत करना।
- सभी जलवायु/पर्यावरण नीतियों में स्वास्थ्य मानकों को शामिल करना।
- **वैश्विक शासन का सबक:** भारत का अनुभव बताता है कि जलवायु नीतियों को केवल उत्सर्जन लक्ष्यों के रूप में नहीं, बल्कि **स्वास्थ्य नीतियों** के रूप में ढालना चाहिए।

इसे कैसे एकीकृत किया जाए:

प्राथमिक प्रासंगिकता: जीएस पेपर II (शासन, संविधान, राजव्यवस्था, सामाजिक न्याय)

यह सबसे मजबूत फिट है, जो शासन मॉडल और कल्याणकारी योजनाओं पर केंद्रित है।

1. विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकार की नीतियां और हस्तक्षेप:

- **कैसे उपयोग करें:** यह नोट शासन में अभिसरण और एकीकरण के उत्कृष्ट उदाहरण प्रदान करता है।
- **केस स्टडी:** स्वतंत्र सफलताओं के बजाय, पार-क्षेत्रीय एकीकरण के मॉडल के रूप में सूचीबद्ध योजनाओं (पीएम पोषण, स्वच्छ भारत, मनरेगा, पीएम उज्ज्वला) का उपयोग करें। उदाहरण के लिए:
    - **पीएम पोषण** स्वास्थ्य (पोषण), शिक्षा (स्कूल) और कृषि (खरीद) को एकीकृत करता है।
    - **स्वच्छ भारत** स्वास्थ्य (स्वच्छता), पर्यावरण (अपशिष्ट प्रबंधन) और सामाजिक न्याय (गरिमा) को एकीकृत करता है।
- **शासन सबक:** मुख्य निष्कर्ष यह है कि "साइलो" (अलग-थलग काम करने) से दूर हटने की आवश्यकता है। यह नीति

MENTORA IAS
"YOUR SUCCESS, OUR COMMITMENT"

कार्यान्वयन पर उत्तरों के लिए एक शक्तिशाली बिंदु है।

- **संभावित प्रश्न:** "भारत की विकासात्मक कार्यक्रमों की सफलता उनकी पार-क्षेत्रीय तालमेल (synergies) हासिल करने की क्षमता में निहित है।" उपयुक्त उदाहरणों सहित स्पष्ट करें।

2. शासन के महत्वपूर्ण पहलू:

- **कैसे उपयोग करें:** यह नोट सुशासन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डालता है:
    - **नेतृत्व और जवाबदेही ("मजबूत राजनीतिक नेतृत्व"):** मिशन-मोड परियोजनाओं को चलाने में शीर्ष-डाउन नेतृत्व की भूमिका।
    - **नागरिक केंद्रितता और भागीदारी ("सामुदायिक सगाई", "सहभागी कार्यान्वयन"):** सामुदायिक स्वामित्व सुनिश्चित करने के लिए सांस्कृतिक प्रतीकों (स्वच्छ भारत के लिए गांधी) और जमीनी संस्थानों (आशा कार्यकर्ता, पंचायतों) का उपयोग।
    - **पारदर्शिता और जवाबदेही ("चुनौतियाँ"):** यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता कि पहल केवल प्रतीकात्मक न रह जाएं, इसके लिए स्पष्ट जवाबदेही तंत्र।

मजबूत प्रासंगिकता: जीएस पेपर III (पर्यावरण, आपदा प्रबंधन, सुरक्षा)

यह एक मुख्य पर्यावरण और आपदा प्रबंधन विषय है।

1. संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और अवक्रमण:

- **कैसे उपयोग करें:** यह पर्यावरण नीति के लिए एक आगे देखने वाला ढांचा है।
- **स्वास्थ्य को मुख्यधारा में लाना:** मुख्य तर्क यह है कि जलवायु और पर्यावरण नीतियों को एक स्वास्थ्य लेंस के माध्यम से तैयार और मूल्यांकन किया जाना चाहिए। केवल "उत्सर्जन कम करने" की बात करने के बजाय, "श्वसन रोगों को रोकने" (उज्ज्वला के माध्यम से) या "जलजनित बीमारियों को कम करने" (स्वच्छ भारत के माध्यम से) की बात करें। यह अमूर्त अवधारणाओं को संबंधित बनाता है।
- **जलवायु अनुकूलन:** मनरेगा (पारिस्थितिकी तंत्र बहाल करना) के तहत काम सूखा और बाढ़ जैसी जलवायु झटकों के खिलाफ लचीलापन बनाने वाले समुदाय-नेतृत्व वाले अनुकूलन का एक प्रमुख उदाहरण है।
- **संभावित प्रश्न:** "जलवायु परिवर्तन मानवता के सामने सबसे बड़ा स्वास्थ्य खतरा है।" (डब्ल्यूएचओ)। इस संदर्भ में, भारत में जलवायु नीति के लिए एक स्वास्थ्य-केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर चर्चा करें।

2. आपदा और आपदा प्रबंधन:

- **कैसे उपयोग करें:** एक स्वास्थ्य-केंद्रित जलवायु नीति आपदा जोखिम में कमी का एक रूप है।
- स्वच्छता और पोषण (एसबीए और पीएम पोषण के माध्यम से) में सुधार एक स्वस्थ आबादी का निर्माण करता है जो जलवायु घटनाओं (जैसे, लू, बाढ़ के बाद हैजा का प्रकोप) से उत्पन्न स्वास्थ्य आपदाओं के प्रति अधिक लचीला होता है।

MENTORA IAS
"YOUR SUCCESS, OUR COMMITMENT"

प्रासंगिकता: जीएस पेपर I (समाज) और जीएस पेपर IV (नैतिकता)

जीएस पेपर I: भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएं

- **कैसे उपयोग करें:** उल्लिखित योजनाओं ने सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार, महिलाओं के लिए कठिन परिश्रम कम करने (उज्ज्वला) और संपत्ति creation (मनरेगा) करके भारतीय समाज को गहराई से प्रभावित किया है।

जीएस पेपर IV: नैतिकता और मानव इंटरफेस

- **कैसे उपयोग करें:** जलवायु और स्वास्थ्य का एकीकरण पीढ़ियों के बीच न्याय (आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ ग्रह छोड़ने की हमारी जिम्मेदारी) और सामाजिक न्याय (चूंकि गरीब जलवायु-स्वास्थ्य जोखिमों के प्रति सबसे अधिक असुरक्षित हैं) के नैतिक प्रश्न उठाता है।

4."बदलती रेत" (Shifting Sands)

1. मुख्य घटना (Core Event)

- **क्या:** सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच आपसी रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर।
- **मुख्य प्रावधान:** "किसी भी प्रकार का आक्रमण... दोनों पर आक्रमण माना जाएगा।"

---

2. सऊदी-पाकिस्तान संबंध का ऐतिहासिक संदर्भ

- **स्वभाव:** एक लंबे समय से चला आ रहा "विशेष संबंध"।
- **पाकिस्तान की भूमिका:** दशकों से सऊदी बलों को प्रशिक्षित करता रहा है।
- **सऊदी अरब की भूमिका:** पाकिस्तान को उदार वित्तीय सहायता दी, जिसमें उसके परमाणु कार्यक्रम का समर्थन भी शामिल है।
- **नया विकास:** अब इस संबंध को एक **औपचारिक समझौते** के ज़रिए संस्थागत रूप दिया गया है।

---

3. समझौते के भू-राजनीतिक प्रेरक तत्व

- **अमेरिकी विमुखता:** खाड़ी राजशाहियों के लिए पारंपरिक अमेरिकी सुरक्षा गारंटी अब संदेह में है (जैसे 2019 में ईरान समर्थकों द्वारा सऊदी तेल ठिकानों पर हमले पर अमेरिका की कोई प्रतिक्रिया नहीं)।
- **क्षेत्रीय अस्थिरता:** यह समझौता उस समय हुआ जब इज़राइल ने ईरान पर बमबारी की थी, जिससे सुरक्षा परिदृश्य बदलता दिखा।
- **अब्राहम समझौते अटके:** ईरान के खिलाफ अरब-इज़राइल संबंध सामान्य बनाने की प्रक्रिया अक्टूबर 2022 में हमास के हमले और उसके बाद गाज़ा युद्ध से पटरी से उतर गई।

---

4. रणनीतिक प्रेरणाएँ (Strategic Motivations)

- **सऊदी अरब के लिए:**
  - अपनी सुरक्षा साझेदारियों में विविधता लाना।
  - वॉशिंगटन और तेल अवीव को स्पष्ट संकेत देना कि वह अमेरिका और इज़राइल से आगे भी विकल्प तलाश रहा है।
- **पाकिस्तान के लिए:**

MENTORA IAS
"YOUR SUCCESS, OUR COMMITMENT"

- वित्तीय सहायता सुरक्षित करना।
- खुद को खाड़ी राजशाहियों के लिए सुरक्षा प्रदाता के रूप में प्रस्तुत करना, जो "इज़राइल के अनियंत्रित सैन्यवाद" से चिंतित हैं।

---

5. अस्पष्टताएँ और जोखिम (Ambiguities and Risks)

- **परिसीमा अस्पष्ट:** यह स्पष्ट नहीं कि क्या यह समझौता पाकिस्तान की **परमाणु छतरी** को सऊदी तक बढ़ाता है या पाकिस्तान पर हमले की स्थिति में सऊदी की तुरंत प्रतिक्रिया की गारंटी देता है।
- **फँसने का जोखिम (Risk of Entrapment):**
  - पाकिस्तान पश्चिम एशिया के "बहु-संकट" (Polycrisis) में घसीटा जा सकता है।
  - सऊदी अरब दक्षिण और मध्य एशिया के तनावों में उलझ सकता है।

---

6. भारत के लिए निहितार्थ और सलाह

- **चुनौती:** यह समझौता भारत की पश्चिम एशिया में कूटनीतिक चालों को जटिल बना सकता है।
- **संदर्भ:** भारत का हालिया "प्रो-इज़राइल झुकाव" उसी समय हो रहा है जब अरब राजशाहियाँ "अपनी शर्तें संतुलित" कर रही हैं और संभवतः भारत की चिंताओं को अनदेखा कर रही हैं।
- **सुझाई गई रणनीति:** भारत को तेज़ बदलावों के लिए तैयार रहना चाहिए और "खतरनाक, आक्रामक इज़राइल" की ओर अत्यधिक झुकाव की गलती से बचना चाहिए।
- **दीर्घकालिक लक्ष्य:** भारत को क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने और अपनी पश्चिम एशिया नीति के सभी स्तंभों के बीच रणनीतिक संतुलन बनाए रखने पर ध्यान देना चाहिए।

How to use

प्राथमिक प्रासंगिकता: जीएस पेपर-II (अंतरराष्ट्रीय संबंध)

यह मुख्य क्षेत्र है। विषय सीधे **"भारत के हितों पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव"** तथा **"भारत और इसका पड़ोस"** से संबंधित है।

---

1. भारत और उसका पड़ोस

कैसे उपयोग करें: यह समझौता भारत के विस्तारित पड़ोस में रणनीतिक गणित को सीधे बदल देता है।

- **पाकिस्तान की बढ़ी हुई भूमिका:** यह समझौता पाकिस्तान को वह सामरिक गहराई (strategic depth) देता है जिसे वह आर्थिक संकट और FATF ग्रे-लिस्टिंग के कारण खो रहा था। अब उसे एक शक्तिशाली संरक्षक मिला है और एक "सुरक्षा प्रदाता" की भूमिका, जो भारत के प्रति उसके रुख को और आक्रामक बना सकती है।

MENTORA IAS
"YOUR SUCCESS, OUR COMMITMENT"

- **परमाणु छतरी की अस्पष्टता:**
  यह अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन पाकिस्तान द्वारा सऊदी अरब तक अपनी **परमाणु छतरी** (nuclear umbrella) बढ़ाने की संभावना एक जटिल और खतरनाक परिदृश्य पैदा करती है, जिस पर भारत को बारीकी से नज़र रखनी होगी।

---

2. पश्चिम एशिया / खाड़ी क्षेत्र

कैसे उपयोग करें: यह क्षण भारत की "पश्चिम एशिया नीति" के लिए निर्णायक है, जो प्रतिस्पर्धी शक्तियों (इज़राइल, ईरान, अरब खाड़ी देश) के बीच संतुलन बनाए रखने पर आधारित है।

- **अमेरिकी प्रभुत्व का अंत:**
  यह समझौता क्षेत्र में अमेरिकी विमुखता (US disengagement) का सीधा परिणाम है। इससे क्षेत्रीय शक्तियाँ सुरक्षा के लिए नए गठबंधन बना रही हैं, जिससे परिदृश्य अधिक **बहुध्रुवीय और अनिश्चित** हो गया है।
- **भारत के लिए जटिलता:**
  भारत का हालिया "प्रो-इज़राइल झुकाव" उसी समय हो रहा है जब खाड़ी की राजशाहियाँ (जैसे सऊदी अरब) इज़राइल के "अनियंत्रित सैन्यवाद" के खिलाफ अपनी रणनीतियाँ संतुलित कर रही हैं। यह भारत को मजबूर करता है कि वह अपने दृष्टिकोण को **पुनर्संतुलित** करे, ताकि महत्वपूर्ण खाड़ी साझेदार नाराज़ न हों।
- **ऊर्जा और प्रवासी भारतीय:**
  खाड़ी क्षेत्र भारत की **ऊर्जा सुरक्षा** के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और यहाँ बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी रहते हैं। क्षेत्रीय अस्थिरता या गठबंधन में बदलाव इन दोनों मूल हितों पर सीधा प्रभाव डालते हैं।

5.सऊदी–पाकिस्तान समझौता: एक संदिग्ध बीमा पॉलिसी

पृष्ठभूमि

घटना: स्ट्रैटेजिक म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट (SMDA) पर रियाद में हस्ताक्षर, 17 सितंबर 2025

उपस्थित नेता: सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और पाकिस्तान के पीएम शेहबाज़ शरीफ़ (फील्ड मार्शल आसिम मुनिर के साथ)।
स्वभाव: यह समझौता अतीत के सहयोग पर आधारित एक बीमा पॉलिसी के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन दोनों पक्षों के बीच गहरी अविश्वास की भावना भी है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि (उत्थान और पतन)

- **1951 से:** द्विपक्षीय रक्षा संबंध स्थापित।
- **1979–1989:** पाकिस्तानी सैनिक (20,000) सऊदी अरब में तैनात, पवित्र स्थलों और अल-सौद परिवार की सुरक्षा के लिए।
- **1990 के बाद से:**
  - पाकिस्तानी सैनिक खाड़ी युद्ध, यमन गृह युद्ध आदि में तैनात।

MENTORA IAS
"YOUR SUCCESS, OUR COMMITMENT"

    - सऊदी अरब का भरोसा पाकिस्तान पर एक सैन्य बीमा के रूप में।
    - पाकिस्तान अक्सर अनिच्छुक (जैसे 2015 में यमन युद्ध में सऊदी अनुरोध को ठुकराया)।
- **पैटर्न:** पाकिस्तान को "प्रेटोरियन गार्ड" की तरह इस्तेमाल किया गया, लेकिन घरेलू और रणनीतिक कारणों से बार-बार पीछे हट गया।

अमेरिका की भूमिका

- ऐतिहासिक रूप से, पेंटागन ने सऊदी–पाकिस्तान रक्षा गठबंधन को सहारा दिया।
- अमेरिका ने "ओवर-द-हॉराइजन" सैन्य कवरेज प्रदान किया।
- हाल की घटनाएँ:
    - ट्रम्प ने 2020 में सऊदी क्राउन प्रिंस और इज़राइल के पीएम को एक साथ बुलाया → त्रिपक्षीय पुनर्संतुलन का संकेत।
- अमेरिकी प्रभाव सऊदी रक्षा रणनीति के लिए अब भी महत्वपूर्ण।

SMDA का स्वरूप

- समझौता मूलतः सऊदी अरब को पाकिस्तानी सैन्य बीमा देता है।
- **सीमाएँ:**
    - पाकिस्तान संभवतः सीधे इज़राइल या ईरान के खिलाफ हस्तक्षेप नहीं करेगा।
    - इसे अधिक राजनीतिक प्रतीकवाद के रूप में देखा जाता है, वास्तविक निवारक क्षमता के रूप में नहीं।
- **शर्तें:** सऊदी उम्मीद करते हैं कि समझौते के बदले उन्हें उन्नत अमेरिकी रक्षा तकनीक और समर्थन मिलेगा।

रणनीतिक कमजोरियाँ

1. **विश्वसनीयता की कमी:**
    - पाकिस्तान की मिश्रित ट्रूप तैनाती का रिकॉर्ड।
    - पिछली वापसी (जैसे इराक 1990, यमन 2015)।
2. **हितों का असंगत मेल:**
    - सऊदी की चिंताएँ: ईरान, इज़राइल, और आंतरिक असंतोष से सुरक्षा।
    - पाकिस्तान के हित: आर्थिक सहायता, ऊर्जा आपूर्ति, प्रवासी प्रेषण।
3. **अमेरिका पर निर्भरता:**
    - किसी भी सऊदी–पाक रक्षा समझौते के लिए अमेरिकी समर्थन आवश्यक, विशेषकर हथियार और खुफिया में।
4. **पाकिस्तान में घरेलू प्रतिबंध:**
    - आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता।

MENTORA IAS
"YOUR SUCCESS, OUR COMMITMENT"

- अफ़ग़ानिस्तान से वापसी के बाद सैन्य अधिभार और विश्वसनीयता ह्रास।

क्षेत्रीय प्रभाव

सऊदी अरब के लिए:

- ईरान और इज़राइल के संतुलन के लिए व्यापक रक्षा आश्वासन की तलाश।
- SMDA एक बैकअप विकल्प है, प्राथमिक नहीं।

पाकिस्तान के लिए:

- वित्तीय सहायता, तेल समर्थन और कूटनीतिक सुरक्षा प्राप्त।
- ऐसे संघर्षों में फँसने का जोखिम जो वह संभाल नहीं सकता।

अमेरिका के लिए:

- सऊदी सुरक्षा का अंतिम गारंटर।
- समझौता अमेरिकी रक्षा छत्रछाया का विकल्प नहीं बन सकता।

भारत के लिए अर्थ

1. **ऊर्जा सुरक्षा:**
    - भारत = दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक, सऊदी तेल का बड़ा ग्राहक।
    - सऊदी रक्षा व्यवस्था की स्थिरता भारत की ऊर्जा जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण।
2. **भू-राजनीतिक संतुलन:**
    - भारत–सऊदी संबंध 2000 के बाद से मजबूत (ऊर्जा, रक्षा, प्रवासी)।
    - समझौता सऊदी झुकाव को पाकिस्तान की ओर थोड़ा कर सकता है, लेकिन भारत अभी भी प्रमुख साझेदार है।
3. **भारत के लिए अवसर:**
    - विश्वसनीय, गैर-हस्तक्षेपकारी साझेदार के रूप में अपनी भूमिका दिखाना।
    - ऊर्जा संक्रमण, तकनीक, रक्षा उद्योग में सहयोग बढ़ाना।

निष्कर्ष

- SMDA प्रतीकात्मक है, रणनीतिक नहीं।
- सऊदी कई "बीमा पॉलिसियाँ" चाहते हैं (अमेरिका, पाकिस्तान, इज़राइल कूटनीति)।
- भारत के लिए:
    - तत्काल जोखिम सीमित।
    - दीर्घकालिक अवसर: सऊदी का सबसे भरोसेमंद साझेदार बनने का मौका।

How to use this as Mains - same as last article

MENTORA IAS
"YOUR SUCCESS, OUR COMMITMENT"